

अनुक्रमणिका

| क्रम | भजन | पृष्ठ |
|------|----------------------------------|-------|
| 1 | आज अंधेरे में है हम इन्सान | 1 |
| 2 | आज फैसला तेरे द्वार पर | 1 |
| 3 | आरती करो शंकर की | 2 |
| 4 | ईश्वर अल्ला तेरे नाम | 3 |
| 5 | ऊँ जय जगदीश हरे | 3 |
| 6 | ऊँ जय जय जय महादेव | 4 |
| 7 | ऊँ जय लक्ष्मी माता | 5 |
| 8 | एक दिन हमें भी जाना है | 6 |
| 9 | ओ जिसका साथी है भगवान | 6 |
| 10 | ओ दुनिया के रखवाले | 7 |
| 11 | कन्हैया कन्हैया तूझे आना पड़ेगा | 8 |
| 12 | कबिरा जब हम पैदा हुए | 9 |
| 13 | कहाँ छुपे हो राजा राम | 10 |
| 14 | काली कमली ओढ़के आये | 10 |
| 15 | कृष्ण जिनका नाम है | 11 |
| 16 | गुरु जी की आरती | 12 |
| 17 | गुरु वन्दना | 12 |
| 18 | गोकुल में हरि आये | 13 |
| 19 | गोविन्द जय जय | 14 |
| 20 | डम डम डम डम डमरू बजाए | 14 |
| 21 | चले श्याम सुन्दर से मिलने सुदामा | 15 |
| 22 | चलो मन गंगा जमुना तीर | 16 |
| 23 | चीर के छाती बोले | 16 |
| 24 | छोड़ चले आज हमारे राम अयोध्या | 17 |
| 25 | जग की रखवाली करनेवाली | 18 |
| 26 | जग में सुंदर है दो नाम | 19 |
| 27 | जनम—जनम के पाप कटे | 19 |
| 28 | जय कृष्ण हरे श्री कृष्ण हरे | 21 |
| 29 | जय गणेश जय गणेश जय गणेश | 21 |
| 30 | जय जननी जय भारती | 22 |

| | | |
|----|-------------------------------|----|
| 31 | जय जय जय त्रिपुरारी | 23 |
| 32 | जय—जय मुकुन्द राधे श्याम | 23 |
| 33 | जय राधा माधव जय कुंज बिहारी | 24 |
| 34 | जय लक्ष्मी रमणा | 24 |
| 35 | जय शिव शंकर गौरीश्वर | 26 |
| 36 | जय हे महालक्ष्मी मां | 26 |
| 37 | जशोमति नन्दन | 27 |
| 38 | जल बिच मरत पियासा | 28 |
| 39 | जिनके हृदय श्री राम बसे | 28 |
| 40 | जोत से जोत जगाते चलो | 29 |
| 41 | झूम—झूम मनमोहन रे | 30 |
| 42 | झूठ ही जनम गंवाया साधू | 31 |
| 43 | तन के तम्बूरे में दो | 32 |
| 44 | तुम्हीं करो उद्धार गंगे | 32 |
| 45 | तुम्ही हो माता पिता तुम्ही हो | 33 |
| 46 | तू प्यार का सागर है | 34 |
| 47 | तेरे मन में राम तन में राम | 34 |
| 48 | तोरा मन दर्पण कहलाये | 35 |
| 49 | दर्शन दो घनश्याम नाथ मोरी | 36 |
| 50 | दाता एक राम | 37 |
| 51 | दूसरों का दुखड़ा | 38 |
| 52 | देख तेरे संसार की हालत | 39 |
| 53 | दो दिन का जग में मेला | 40 |
| 54 | दौलत के झूठे नसे में हो चूर | 41 |
| 55 | नदिया न पिये कभी अपना जल | 42 |
| 56 | नरहरि चंचल है मति मेरी | 43 |
| 57 | नाग देवता त्राहिमाम् | 43 |
| 58 | नारायण करूणामय शरणम् | 44 |
| 59 | पायो जी मैंने | 45 |
| 60 | प्रभु अपनी झलक दिखाओ | 45 |
| 61 | प्रभु जी मेरे आओ | 46 |
| 62 | प्रभु तेरो नाम | 47 |
| 63 | प्रभु संग प्रीत लगा रे मनवा | 48 |
| 64 | प्रेम मुदित मन से कहो | 48 |
| 65 | बड़ी देर भई नन्दलाला | 49 |

| | | |
|-----|------------------------------------|----|
| 66 | बड़े प्यार से मिलना सबसे | 50 |
| 67 | बनवारी रे जीने का सहारा | 51 |
| 68 | बन्दौं चरण कमल रघुनन्दन | 51 |
| 69 | बेगि हरो हनुमान महाप्रभु | 52 |
| 70 | बोलो बोलो राधे श्याम | 53 |
| 71 | भगवान तेरा इन्सान | 55 |
| 72 | भगवान दो घड़ी जरा इन्सान | 55 |
| 73 | भज मन नारायण नारायण | 56 |
| 74 | भज मन नारायण नारायण, ये जीवन | 58 |
| 75 | भजो रे मन गोर्वधन गिरधारी | 59 |
| 76 | भागवत भगवान की है आरती | 59 |
| 77 | भोलेनाथ से निराला | 60 |
| 78 | मत कर तू अभिमान | 61 |
| 79 | मन की आंखें खोल | 62 |
| 80 | मन तड़पत हरि दर्शन | 62 |
| 81 | मन लागा मेरा यार फकीरी में | 63 |
| 82 | मधुकर श्याम हमारे चोर | 64 |
| 83 | मधुबन में न श्याम बुलाओ | 64 |
| 84 | माँ तेरी ममता | 65 |
| 85 | मानुष तन नहीं बारम्बार | 66 |
| 86 | मुकुन्द माधव गोविन्द बोल | 66 |
| 87 | मुझे अपनी शरण में ले लो राम | 67 |
| 88 | मूरख है इंसान भगवन | 68 |
| 89 | मेरा दीपक जुग जुग जले | 68 |
| 90 | मेरी नाव पड़ी मझधार | 69 |
| 91 | मेरे मन भूला भूला काहे डोले | 69 |
| 92 | मेरे मन में है राम | 70 |
| 93 | मैं तो आरती उतारूँ राधे श्यामकी रे | 71 |
| 94 | मैंने लीनो गोविन्द मोल | 72 |
| 95 | यशोमति मैया से बोले नन्दलाला | 72 |
| 96 | राम कृष्ण हरे मुकुन्द मुरारी | 73 |
| 97 | राम तेरी माया | 74 |
| 98 | राम नाम की महिमा देखो | 74 |
| 99 | रामायण आरती | 75 |
| 100 | राम राम भज राम राम | 76 |

| | | |
|-----|------------------------------|-----|
| 101 | लक्ष्मीजी की आरती | 77 |
| 102 | लक्ष्मी वन्दना | 78 |
| 103 | वृन्दावन का कृष्ण कन्हैया | 79 |
| 104 | वैष्णव जन तो तेने कहिये | 80 |
| 105 | वैष्णव जन तो तेने कहिए जे | 81 |
| 106 | वो फूल न अब तक चुन पाया | 82 |
| 107 | शरण में आये हैं हम तुम्हारी | 83 |
| 108 | शिव शंकर भोले भाले | 84 |
| 109 | शिव शंभु दीनों के बंधु | 85 |
| 110 | श्याम तेरी बंशी | 86 |
| 111 | श्री कुंजबिहारी की आरती | 87 |
| 112 | श्रीगणेश वन्दना | 88 |
| 113 | संसार ने जब ठुकराया | 88 |
| 114 | सबसे ऊँची प्रेम सगाई | 89 |
| 115 | सीता के राम राधा के श्याम | 90 |
| 116 | सुख के सब साथी | 91 |
| 117 | सुदामा मंदिर देख डरे | 91 |
| 118 | सुने री मैंने निरबलके बल राम | 92 |
| 119 | सुर की गति मैं क्या जानूँ | 93 |
| 120 | स्वीकारो मेरे परनाम | 94 |
| 121 | हमारे दुख हरो गोपाल | 95 |
| 122 | हरिद्वार मथुरा काशी | 96 |
| 123 | हरे कृष्णा हरे कृष्णा | 96 |
| 124 | हरे रामा हरे रामा | 97 |
| 125 | हरे हरे गोपाल राधे—कृष्ण | 97 |
| 126 | हे अन्न धन की महारानी | 97 |
| 127 | हे नन्द नन्द गोपाला | 98 |
| 128 | हे नन्दलाला हे नन्दलाला | 98 |
| 129 | हे महादेव मेरी लाज रहे | 99 |
| 130 | हे शारदे माँ, हे शारदे माँ | 100 |
| 131 | हे शिवशंकर नमामि शंकर | 100 |
| 132 | हे शिव शम्भू हे त्रिपुरारी | 101 |
| 133 | हे सत्य नारायण स्वामी | 101 |